मूल्य 1 रु.
वर्षः 11 - अंक : 202, मुंबई, मंगलवार, 29 सितंबर, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

॥शुभ लाभ॥
MIX MITHAI

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

पंजाब कांग्रेस में घमासान

72 दिन के प्रदेश अध्यक्ष सिद्धू ने छोड़ा पद

मंत्री रजिया सुल्ताना ने भी दिया इस्तीफा

संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस में चल रहे घमासान के बीच मंगलवार को पार्टी प्रधान नवजोत सिद्धू ने 72 दिन बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। कुछ दिन पहले ही पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने अपने पद से इस्तीफा दिया था। इसके बाद चरणजीत चन्नी को मुख्यमंत्री बनाया गया था। उसके बाद से सिद्धू पर सुपर सीएम होने के आरोप लग रहे थे। पंजाब की कैबिनेट मंत्री रजिया सुल्ताना ने भी मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। मंगलवार को पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी के नाम संबोधित त्यागपत्र में सिद्धू ने लिखा कि समझौता करने से व्यक्ति का चरित्र खत्म हो जाता है। मैं पंजाब के भविष्य और पंजाब की जनता के कल्याण के एजेंडा से कभी समझौता नहीं कर सकता हूं। (शेष पृष्ठ 3 पर)

पंजाब के भविष्य से समझौता नहीं कर सकता

मंगलवार को पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी के नाम संबोधित त्यागपत्र में सिद्धू ने लिखा कि समझौता करने से व्यक्ति का चरित्र खत्म हो जाता है। मैं पंजाब के भविष्य और पंजाब की जनता के कल्याण के एजेंडा से कभी समझौता नहीं कर सकता हूं। उन्होंने आगे लिखा, इसलिए मैं पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देता हूं। मैं कांग्रेस की सेवा करता रहूंगा। वहीं सिद्धू के इस्तीफे के बाद गुलजार इंदर चहल ने पंजाब कांग्रेस के कोषाध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया।

पार्टी की जीत के साथ ही शुरू हुए थे विवाद

आज पंजाब कांग्रेस जिस समस्या से जूझ रही है, उसकी शुरूआत 2017 चुनाव में पार्टी की जीत के साथ ही हुई थी। दरअसल नवजोत सिंह सिद्धू 2017 चुनाव से पहले कांग्रेस में शामिल हुए थे। बेबाक अंदाज वाले सिद्धू राहुल और प्रियंका वाड्रा की पसंद थे। पार्टी जीती तो सिद्धू को डिप्टी सीएम बनाने की चर्चाएं तेज हो गई। लेकिन जब कैप्टन सीएम बने तो उन्होंने साफ कर दिया कि पंजाब को डिप्टी सीएम की जरूरत नहीं है। राजनीति के जानकार मानते हैं कि अति महत्वाकांक्षी सिद्धू के लिए ये पहला झटका था और कैप्टन सिद्धू विवाद की शुरूआत यहीं से हो गई थी।

मराठवाड़ा में भारी बारिश

बीड और लातूर के गांवों में बाढ़ के हालात, यवतमाल में बह गई बस

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के मराठवाड़ा इलाके में भारी वर्षा से बुरा हाल है। क्षेत्र के कई जिलों के गांवों में डूब के हालात पैदा हो गए हैं। औरंगाबाद के मंजारा बांध के कैचमेंट क्षेत्र में भी भारी वर्षा होने से बांध के सारे गेट खोलने पड़े। इस कारण बीड़ व लातूर जिलों के कई गांवों में अलर्ट जारी किया गया है। उधर, यवतमाल में एक बस बहने की खबर है। हादसे में एक की मौत हो गई, जबकि तीन लापता हैं। (शेष पृष्ठ 3 पर)

मनी लॉन्ड्रिंग केसः प्रवर्तन निदेशालय के सामने पेश हुए मंत्री अनिल परब

पेशी से पहले कहा-बेटियों की कसम खाता हूं नहीं किया कुछ भी गलत

मुंबई। महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री अनिल परब मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय के सामने पेश हुए। मंत्री परब दिन में करीब 11 बजे जांच एजेंसी के कार्यालय पहुंचे। हालांकि, पुलिस ने उनके आने से पहले सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। ईडी ने शनिवार को मामले में पूछताछ के लिए परब (56) को दूसरी बार समन जारी किया था। (शेष पृष्ठ 3 पर)

कन्हैया ने थामा 'हाथ'

बोले-कांग्रेस नहीं बची तो देश नहीं बचेगा

नई दिल्ली। आखिरकार कन्हैया कुमार मंगलवार को कांग्रेस में शामिल हो गए, लेकिन जिग्नेश मेवानी अभी शामिल नहीं हुए हैं। उन्होंने कहा कि वे वैचारिक रूप से कांग्रेस के साथ हैं। देशभर में कांग्रेस के लिए काम करेंगे। कन्हैया कुमार ने कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल व रणदीप सुरजेवाला की मौजूदगी में पार्टी की सदस्यता ली। इससे पहले कन्हैया कुमार व मेवानी ने राहुल गांधी से मुलाकात की। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

ऐसे बंद की व्यंजना

किसान आंदोलन का लगातार बढ़ते चले जाना न तो फायदेमंद है और न अनुकरणीय। दिल्ली से लेकर केरल तक 42 किसान संगठनों के आंदोलन का असर चिंता में डालने के लिए पर्याप्त संकेत मुहैया कराता है। हालांकि, यह सकारात्मक बात है कि भारत बंद शांतिपूर्ण रहा। न किसानों की ओर से उग्रता दिखी और न कहीं प्रशासन ने आपा खोया। ऐसा लगता है, दोनों तरफ से किसान आंदोलन को लंबे समय तक चलाए रखने की तैयारी है और समाधान के लिए संवाद की प्रक्रिया बंद है। दोनों ओर से समय-समय पर ऐसे तीखे प्रहार होते हैं कि संवाद की गुंजाइश बनते-बनते बिगड़ जाती है। इस आंदोलन के चलते न केवल सरकार की आलोचना हो रही है, किसान नेताओं को भी काफी कुछ सुनना पड़ रहा है। मकसद चाहे जो हो, भारत बंद का समर्थन नहीं किया जा सकता। आज देश जिस मोड़ पर है, हम किसी भी तरह की आर्थिक गतिविधि को रोक नहीं सकते। रोकना तो दूर की बात, किसी परिवहन को भी हम कुछ देर के लिए भी बाधित नहीं कर सकते, क्योंकि देश की जो विकास दर है, वह बेरोजगारी को बढ़ाती चली जा रही है। आर्थिक नुकसान का आकलन केवल सरकार को ही नहीं, बल्कि किसानों को भी जरूर करना चाहिए। भारत बंद कोई छोटी बात नहीं, किसान संगठनों ने सुबह 6 बजे से शाम 4 बजे तक के लिए भारत बंद बुलाया था, जिसके तहत सभी सरकारी व निजी दफ्तरों, संस्थानों, दुकानों, उद्योगों को बंद रखने की अपील की गई थी। किसान नेता राकेश टिकैत ने भले ही कहा हो कि सभी जरूरी सेवाएं जैसे अस्पताल, मेडिकल स्टोर आदि अपना काम जारी रख सकते हैं, लेकिन सबको पता है, यह एक औपचारिकता ही है। जो लोग परेशान हुए हैं, उनकी क्या गलती है? इसमें कोई शक नहीं कि भारत बंद की वजह से देश में जगह-जगह भयंकर ट्रैफिक जाम की स्थिति देखी गई है। सबसे ज्यादा तकलीफ में दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र है। हम क्या भूल गए हैं कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में केवल केंद्र सरकार ही नहीं रहती, दो से तीन करोड़ लोग भी रहते हैं? क्या बस सेवा या ट्रेन सेवा का बाधित होना अब हमारे लिए खास महत्व नहीं रखता? भारत बंद को कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, बसपा, सपा, वाईएसआर कांग्रेस, वाम दलों सहित कई राजनीतिक दलों ने अपना समर्थन दिया है, तो इस राजनीति के दुष्परिणाम आने वाले वर्षों में जरूर दिखेंगे। भारत बंद मानो एक सिलसिला या बदला है, किसान नेता भी यही बोल रहे हैं कि हमने भाजपा से यह सीखा है। संयुक्त किसान मोर्चा ने बड़ी प्रसन्नता के साथ बताया है कि पंजाब, हरियाणा, केरल, बिहार में पूरी तरह बंद रहा। क्या यह प्रसन्नता शासन-प्रशासन की संवेदना तक पहुंचेगी? क्या आगे किसानों को किसी भारत बंद की जरूरत नहीं पड़ेगी? जो युवा रोजगार के लिए तरस रहे हैं, छह-छह लाख की चप्पलें पहनकर नकल करने को तैयार हो जा रहे हैं, क्या उन्हें भारत बंद से लाभ हुआ होगा? क्या इस भारत बंद की वजह से कुछ नौकरियां कम नहीं हुई होंगी? इस भारत बंद से कितने किसानों को फायदा हुआ होगा? हम न भूलें कि इस देश में ऐसे किसान व नेता भी हैं, जो इस भारत बंद या ऐसी राजनीति के खिलाफ हैं। बहरहाल, जिस देश-समाज में रोष या प्रतिरोष ऐसे बढ़ने लगे, वहां शासन-प्रशासन को मुंह फेरकर कभी नहीं बैठना चाहिए।

सचमुच जैसा भारत में हुआ वैसा कहीं नहीं हुआ!

हां, सचमुच जैसा भारत में हुआ वैसा कहीं नहीं हुआ! दुनिया के किसी भी देश में ऐसा पलायन नहीं हुआ और किसी देश ने इतने बेसहारा लोगों को सड़कों पर मरने के लिए नहीं छोड़ा। दुनिया के किसी भी देश में यह भी नहीं हुआ कि अस्पतालों में ऑक्सीजन खत्म हो गई और लोग ऑक्सीजन की नली मुंह-नाक में लगाए रहे और मर गए। सोचें, कोरोना महामारी में जान गंवाने वालों के परिजनों को 50-50 हजार रुपए की अनुग्रह राशि देने का फैसला उनके आंसू पोंछने वाला है या उनके जख्मों पर नमक छिड़कने वाला है? यह राहत है या एक क्रूर मजाक है? पहली बार जब यह खबर नजरों के सामने आई कि कोरोना वायरस के प्रबंधन के लिए माननीय सर्वोच्च अदालत ने भारत सरकार की तारीफ की है और कहा है कि भारत ने जैसा काम किया वैसा दुनिया के दूसरे देश नहीं कर पाए तो लगा कि यह सत्तारूढ़ पार्टी के आईटी सेल की प्रायोजित खबर है या किसी न्यायमूर्ति ने मजाक में यह बात कही है। लेकिन खबर पढ़ कर पता चला कि माननीय अदालत ने गंभीरता से यह बात कही है। पिछले हफ्ते गुरुवार यानी 23 सितंबर को माननीय न्यायमूर्ति एमआर शाह ने कहा 'महामारी के प्रबंधन को लेकर भारत ने जो किया वह दूसरे देश नहीं कर पाए'। केंद्र सरकार ने जब अदालत को बताया कि वह कोरोना से मरने वालों के परिजनों को 50-50 हजार रुपए का मुआवजा देगी तब अदालत ने खुशी जताते हुए कहा- आज हम काफी ज्यादा खुश हैं। हम इसलिए खुश हैं क्योंकि जिन लोगों ने महामारी की पीड़ा झेली, यह फैसला उनके आंसुओं को पोंछने वाला है। सोचें, कोरोना महामारी में जान गंवाने वालों के परिजनों को 50-50 हजार रुपए की अनुग्रह राशि देने का फैसला उनके आंसू पोंछने वाला है

या उनके जख्मों पर नमक छिड़कने वाला है? यह राहत है या एक क्रूर मजाक है? कोरोना वायरस से संक्रमित होकर मरने वालों की जान की कीमत छोड़ दें, वह तो कोई सरकार नहीं चुका सकती है लेकिन अगर बीमारी के दौरान इलाज पर खर्च हुए पैसे का हिसाब लगाया जाए तो वह औसत खर्च भी 50 हजार रुपए से ज्यादा बैठेगा। क्या माननीय अदालत को यह पता नहीं है कि कोरोना वायरस की महामारी की दोनों लहरों के बीच लोगों ने कैसी कैसी मुसीबतें झेलीं? लोगों को कोरोना का टेस्ट कराने के लिए अनाप-शनाप रकम खर्च करनी पड़ी? महामारी के शुरूआती दिनों में एक टेस्ट की दर 24 सौ रुपए थी। इलाज के लिए अस्पतालों ने लाखों लाख रुपए वसूले! ऑक्सीजन सिलिंडर की कालाबाजारी हुई और लोगों ने अपनी सारी जमा पूंजी गवां कर अपनों का इलाज कराया! उस समय लोगों को आभास हुआ कि सरकार नाम की कोई चीज नहीं है। उस समय देश की अदालतों ने आगे कर लोगों को भरोसा दिलाया था। देश की अदालतों ने केंद्र सरकार से लेकर राज्यों तक की सरकारों को कठघरे में खड़ा किया था और उनके कामकाज को लेकर बेहद तीखी टिप्पणियां की थीं। अदालतों की पहल से लोगों को थोड़ी बहुत मदद हासिल हो पाई और सरकारों से ज्यादा आम लोगों ने संकट के समय एक-दूसरे का हाथ थामा और अपनी सामर्थ्य भर मदद की। सरकार ने तो पीएम-केयर्स फंड बनाया, जिसमें आम लोगों ने हजारों करोड़ रुपए की रकम दान की और सरकार कह रही है कि यह सरकारी फंड नहीं है, इसलिए कोई इसका हिसाब नहीं ले सकता है, क्या दुनिया में कहीं ऐसा हुआ? क्या इससे बड़ा कोई मजाक हो सकता है कि देश में मास्क नहीं पहनने पर सरकार दो हजार रुपए का जुर्माना वसूल रही है और आदमी के मर जाने पर 50 हजार रुपए का मुआवजा देगी? दुनिया के पिछड़े और अति पिछड़े देशों को छोड़ दें तो कोरोना वायरस की महामारी के दौरान लगभग हर सभ्य और लोकतांत्रिक देश ने अपने नागरिकों की मदद की। अमेरिका से लेकर जापान और ब्रिटेन से लेकर यूरोपीय संघ के तमाम देशों ने अपने नागरिकों के हाथ में नकद पैसे पहुंचाए ताकि वे अपनी जरूरतें पूरी कर सकें। कोरोना के दौरान लगाए गए लॉकडाउन की वजह से लोगों की नौकरियां गई थीं, कामकाज ठप्प हुए थे और रोजगार पूरी तरह से बंद हो गए थे। इसकी भरपाई के लिए दुनिया के सभ्य देशों ने अपने नागरिकों की आर्थिक मदद की। भारत में सरकार ने आर्थिक मदद करने की बजाय लोगों को कर्ज लेकर काम चलाने का पैकेज घोषित किया। समूचे कोरोना काल में कोरोना राहत पैकेज के तहत किसी नागरिक को आर्थिक मदद नहीं की गई। उलटे सरकार ने कोरोना की आपदा को अवसर बना कर लोगों पर बड़ा आर्थिक बोझ डाला। कोरोना की अवधि में केंद्र सरकार ने पेट्रोलियम उत्पादों पर उत्पाद शुल्क में कई गुना बढ़ोतरी की, जिससे पेट्रोल, डीजल के दाम आसमान पर पहुंच गए। इससे खाने-पीने की चीजों से लेकर हर जरूरी चीज की महंगाई बढ़ी। केंद्र सरकार ने आपदा को अवसर बना कर कृषि और श्रम सुधार किए और किसानों-मजदूरों के हितों को बड़ा नुकसान पहुंचाया। दुनिया के किसी भी देश ने ऐसा नहीं किया।

इलाज-पत्र की नई पहल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिसे 'आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन' कहकर शुरू किया है, उसे मैं हिंदी में 'इलाज-पत्र' कहता हूँ। नौकरशाहों द्वारा यह अधकचरी अंग्रेजी में गढ़ा गया नाम यदि सादी भारतीय भाषा में होता तो वह आम आदमी की जुबान पर आसानी से चढ़ जाता लेकिन जो भी हो, यह 'इलाज पत्र' भारत की आम जनता के लिए बहुत ही लाभकारी सिद्ध होगा। भारत सरकार की इस पहल का स्वागत इस रफ्तार से होना चाहिए कि यह कोरोना के टीके से भी जल्दी सबके हाथों तक पहुंच जाए। यह 'इलाज पत्र' ऐसा होगा, जो मरीजों और डाक्टरों की दुनिया ही बदल देगा। दोनों को यह मगजपच्ची से बचाएगा और इलाज को सरल बना देगा। अभी तो होता यह है कि कोई भी मरीज अपनी तबियत बिगड़ने पर किसी अस्पताल या डॉक्टर के पास जाता है तो दवाई देने के पहले डॉक्टर उसके स्वास्थ्य का पूरा इतिहास पूछता है। जरूरी नहीं है कि मरीज को याद रहे कि उसे कब क्या तकलीफ हुई थी और उस समय डॉक्टर ने उसे क्या दवा दी थी। अब जबकि यह इलाज-पत्र उसके जेबी फोन में पूरी तरह से भरा हुआ मिलेगा तो मरीज तुरंत वह डॉक्टर को दिखा देगा और उसको देखकर डॉक्टर उसे दवा दे देगा। जरुरी नहीं है कि मरीज और

डॉक्टर आमने-सामने बैठकर बात करें और अपना समय खराब करें। यह सारी पूछ-परख का काम घर बैठे-बैठे मिनिटों में निपट जाएगा। अस्पताल और डॉक्टरों के यहां भीड़-भड़क्का भी बहुत कम हो जाएगा। चिकित्सा के धंधे में ठगी का जो बोलबाला है, वह भी घटेगा, क्योंकि उस 'इलाज-पत्र' में हर चीज अंकित रहेगी। दवा-कंपनियों के साथ प्रायः डॉक्टरों की सांठ-गांठ के किस्से भी सुनने में आते हैं। इन कंपनियों से पैसे लेकर या कमीशन खाकर कुछ डॉक्टर और दवा-विक्रेता मरीजों को नकली या बेमतलब दवाएं खरीदने को मजबूर कर देते हैं। अब क्योंकि हर दवा का इस 'इलाज-पत्र' में नाम और मूल्य दर्ज रहेगा, इसलिए फर्जी इलाज और लूट-पाट से मरीजों की रक्षा होगी। भारत में इलाज इतना मंहगा और मुश्किल है कि बीमारी से वह ज्यादा जानलेवा बन जाता है। एक मरीज तो जाता ही है, उसके कई घरवाले जीते जी मृतप्रायः हो जाते हैं। उनकी जमीन-जायदाद बिक जाती है और वे कर्ज के कुएं में डूब जाते हैं। ऐसा नहीं हैं कि भारत की स्वास्थ्य-व्यवस्था में यह 'इलाज-पत्र' क्रांति कर देगा लेकिन उसमें कुछ महत्वपूर्ण सुधार जरुर करेगा। देश की स्वास्थ्य-सेवाओं में समग्र सुधार के लिए बहुत-से बुनियादी कदम उठाए जाने की जरुरत अभी भी ज्यों की त्यों बनी हुई हैं। यदि भारत की परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों में नए अनुसंधान को बढ़ाया जाए तो निश्चिय ही वे एलोपेथी से अधिक प्रभावशाली और सस्ती सिद्ध होंगी। वे जनता को भी शीघ्र स्वीकार्य होंगी। घरेलू इलाज से डॉक्टरों का बोझ भी कम होगा। इसका अर्थ यह नहीं कि हम ऐलोपेथी के फायदे उठाने में चूक जाएं। मेरा अभिप्राय सिर्फ यही है कि भारत के 140 करोड़ लोगों को समुचित चिकित्सा और शिक्षा लगभग उसी तरह उपलब्ध हो, जैसे हवा और रोशनी उपलब्ध होती है। यदि ऐसा हो सके तो भारत को कुछ ही समय में संपन्न, शक्तिशाली और खुशहाल होने से कोई रोक नहीं सकता।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मुंब्रा पुलिस को बड़ी कामयाबी, दस लाख रुपए चुराने वाली बहन, जीजा व मामा को मुंब्रा पुलिस ने किया गिरफ्तार

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। मुंब्रा पुलिस द्वारा चोरी का एक सनसनीखेज मामले का पर्दाफाश किया गया है। पुलिस द्वारा मिली जानकारी के अनुसार रेहाना अकरम खान वर्ष 38 रहिवासी नदीम अपार्टमेंट दूसरा माला रूम नंबर 26 मुंब्रा देवी रोड मुंब्रा के घर से 4 सितंबर शनिवार को दस लाख रुपयों की चोरी हुई थी यह रकम रेहाना ने घर लेने के लिए अपने कबाड़ के लॉकर में रखे थे चोरों ने घर में घुसकर लॉकर तोड़कर यह चोरी की वारदात को अंजाम दिया था यह रकम की चोरी के बाद उन्होंने मुंब्रा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई से 6 सितंबर सोमवार को रेहाना अकरम खान की एफ आई आर दर्ज की गई एफ आई आर दर्ज करने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए इसकी तत्परता से जांच शुरू कर दी सीसीटीवी कैमरा के आधार पर मुंब्रा पुलिस ने रेहाना के जीजा हादी हसन को गिरफ्तार कर पूछताछ करने लगी पूछताछ में कुछ भी बताने को तैयार नहीं था न्यायालय में पेश करने के बाद 14 सितंबर तक

पुलिस हिरासत में रखने के आदेश दिए फिर उसके बाद हादी हसन को न्यायालय द्वारा एमसीआर कर दिया गया पुलिस ने हादी हसन के पास से रकम बरामद नहीं कर पाई क्योंकि हादी हसन पुलिस को कुछ बताने को तैयार ही नहीं था लेकिन मुंब्रा पुलिस खामोश नहीं रही सीसीटीवी कैमरा के आधार पर मुंब्रा पुलिस की एपीआई संतोष उगल मुगले ने टेक्निकली जांच के आधार पर रेहाना की बहन सुल्ताना हादी हसन उर्फ सुल्ताना इमरान शेख को 22 सितंबर को गिरफ्तार कर लिया कथित पूछताछ के बाद रेहाना की बहन के पास से पुलिस ने 7 लाख 95 हजार रुपए बरामद किए और उसके बाद तीसरा आरोपी रेहाना का मामा फरमान दिलशान शेख को गिरफ्तार करने के बाद उसके पास से पुलिस ने 1 लाख 40 हजार रुपए बरामद किए कुल रकम मुंब्रा पुलिस द्वारा बरामद की गई 935000 पुलिस ने इन आरोपियों के विरोध में भारतीय दंड संहिता सीआरपीसी 454 380 के तहत मामला दर्ज किया है मुंब्रा पुलिस के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मधुकर कड के मार्गदर्शन में डिटेक्शन ब्रांच के एपीआई संतोष उगल मुगले और उनकी टीम द्वारा बहुत ही सराहनीय काम रहा चंद दिनों में शातिर चोरों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया गया।

हिंदी दिवस पर शिक्षकों की कविता स्पर्धा सपन्न

संवाददाता

मुंबई। हिंदी दिवस के अवसर पर सहित्यनामा द्वारा शिक्षक साहित्यकारों के लिए साहित्य सृजन हेतु 'साहित्य गौरव' पुरस्कार के लिए स्वरचित कविता आमन्त्रित किया गया था। बृहन्मुंबई महानगरपालिका शिक्षण विभाग की विद्यालय निरिक्षिका राजकुमारी गिरी के मार्गदर्शन में राधना सिंह और उनके सहयोगियों के द्वारा सम्पन्न हुआ। आमंत्रित कवियों की उत्कृष्ट रचनाओं में शारदा सुरेंद्र नेगी प्रथम स्थान, दमयंती शशीकांत वाघुले द्वितीय स्थान, जुझार सिंह तृतीय स्थान, अनीता जायसवाल उत्कृष्ट,श्रद्धा पाटिल द्वितीय उत्कृष्ट,राजेश रावल तृतीय उत्कृष्ट पुरस्कार हेतु चयनित किया गया। सभी प्रतिभागियों को सहभागी प्रमाण पत्र प्रदान किया जायेगा।

विरोधी पक्ष नेता शानू पठान ने कहा, सड़कों पर हो रहे गड्ढों का मनपा प्रशासन है जिम्मेदार

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। कुछ ही महीनों में चुनावी भूगोल बजने वाला है हर विपक्षी पार्टी सत्ताधारी पार्टी को घेरने की तैयारी में लगी हैं सत्ताधारी पार्टी की लापरवाही से विपक्षी दल को भरपूर मौका मिल गया है सड़कों पर गड्ढों को लेकर कभी कांग्रेस पार्टी ने गड्ढा भरो आंदोलन किया तो अभी बीजेपी भी यही मुद्दा लेकर मैदान में उतर के आ गई है मुंब्रा शहर की सड़कों पर गड्ढे होने के कारण आए दिन कोई ना कोई सड़क दुर्घटना होती है गड्ढों के कारण ट्राफिक की समस्याएं भी उत्पन्न हो रही है गड्ढों के कारण ट्रैफिक का जमावड़ा भी घंटो तक सड़कों पर रहता है गड्ढों के कारण सड़कों पर होने वाली दुर्घटनाएं थमने का नाम ही नहीं लेती चाहे वह मुंब्रा का खूनी बाईपास हो या शहर की सड़क के गड्ढे हो विपक्षी दल ने चारों तरफ से सत्ताधारी पार्टी को निशाना बनाने का काम कर दिया है ऐसे में अपना पल्ला झाड़ते हुए नगरसेवक व विरोधी पक्ष नेता अशरफ शानू पठान ने सड़कों पर हो रहे गड्ढों को टिकरा मानपा प्रशासन

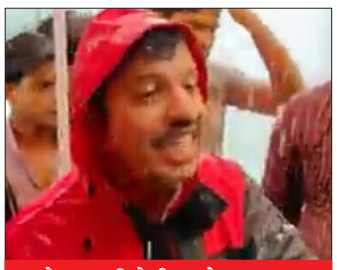

नगरसेवक व विरोधी पक्ष नेता शानू पठान

पर फोड़ दिया है उन्होंने सीधा जिम्मेदार मनपा प्रशासन के द्वारा दिए गए ठेकेदार को ठहराया है उन्होंने मानपा पर आरोप लगाते हुए कहा जो ठेका मनपा ठेकेदारों को देती है वह निचले दर्जे के ठेकेदार है उनको गड्ढा भरने का कोई अनुभव नहीं है और ना ही सड़क बनाने का कोई अनुभव है काम के दौरान घटिया मटीरियल इस्तेमाल कर रहे हैं इसी कारण सड़कों पर गड्ढे ही गड्ढे नजर आ रहे हैं जबकि उन्होंने उदाहरण दिया ऐसे केमिकल बाजार में आ गए हैं जिनका उपयोग करने से सालों तक सड़क पर गड्ढे नहीं पड़ते हैं लेकिन ठेकेदार इसका उपयोग नहीं करते यही कारण है कि आए दिन सड़कों पर गड्ढे होते हुए नजर आ रहे हैं दरअसल मामला यह बताया जा रहा है कि मनपा प्रशासन उन्हीं ठेकेदारों को काम दे रही है जिससे उनका मुनाफा हो रहा है इससे बात से मानपा प्रशासन का भ्रष्टाचार साफ नजर आ रहा है जिसका खामियाजा मुंब्रा की जनता को भुगतना पड़ रहा है उन्होंने साफ-साफ कहा कि मनपा प्रशासन मुंब्रा के 25 लाख लोगों का टैक्स का पैसा बर्बाद कर रही है क्योंकि जो ठेकेदार गड्ढा भरने का काम करता है वह मटेरियल कौन सा इस्तेमाल कर रहा है इसकी जांच मनपा प्रशासन द्वारा नहीं की जा रही है यही कारण है ठेकेदार घटिया मटीरियल काम में इस्तेमाल करता है रात में गड्ढे भरता है और सुबह में सड़क पर फिर गड्ढे ही गड्ढे नजर आते हैं मनपा आयुक्त विपिन शर्मा को ठेकेदारों को लेकर कोई ठोस कदम उठाने की सलाह दी अब देखना यह है विरोधी पक्ष नेता शानू पठान ने जो सलाह मनपा आयुक्त विपिन शर्मा को दी है क्या वह मानेंगे।

हाई कोर्ट और मुंबई विवि भी पर्यटकों के लिए खुलेंगे: आदित्य ठाकरे

मुंबई। बीएमसी के बाद बॉम्बे हाईकोर्ट व मुंबई विश्वविद्यालय की इमारत भी पर्यटकों के लिए खोली जा रही है। सोमवार को 'पर्यटन दिवस' पर राज्य के पर्यटन मंत्री आदित्य ठाकरे ने ट्वीट कर जानकारी दी। पर्यटकों को लुभाने के लिए ठाकरे सरकार के मंत्रिमंडल की एक बैठक डेक्कन ओडिसी रेलवे में करने का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा कि राज्य में पर्यटन की असीम संभावनाएं हैं, बस उसे प्रचारित करने तथा वहां पर बुनियादी सेवाएं प्रदान करने की जरूरत है, जिस पर हमारी सरकार काम कर रही है। राज्य में आने वाला हर पर्यटक हमारा ब्रैंड एंबेसडर होना चाहिए।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

पंजाब कांग्रेस में घमासान

उन्होंने आगे लिखा, इसलिए मैं पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देता हूं। मैं कांग्रेस की सेवा करता रहूंगा। वहीं सिद्धू के इस्तीफे के बाद गुलजार इंदर चहल ने पंजाब कांग्रेस के कोषाध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। उनके इस्तीफे के बाद कैप्टन अमरिंदर ने अपनी पहली प्रतिक्रिया ट्वीट के माध्यम से दी। उन्होंने लिखा कि मैंने तो पहले ही कहा था कि यह आदमी स्थिर नहीं है और सीमावर्ती राज्य पंजाब के लिए सिद्धू सही नहीं है। वहीं सिद्धू के इस्तीफे पर उनके मीडिया एडवाइजर सुरिंदर डल्ला ने कहा है कि नवजोत सिंह सिद्धू सिद्धांत की राजनीति कर रहे हैं। नई सरकार ने कांग्रेस हाइकमान के 18 सूत्रीय फार्मूले पर कोई काम नहीं किया है। पिछले पांच दिनों के कामों से ऐसा कुछ देखने को नहीं मिला है। पंजाब की राजनीति में उलटफेर जारी है। मंगलवार को पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह के गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात पर अटकलों का सिलसिला खत्म भी नहीं हुआ था कि नवजोत सिद्धू ने इस्तीफा देकर नया धमाका कर दिया। वहीं सूत्रों के अनुसार, सिद्धू इकबाल प्रीत सहोता को डीजीपी बनाए जाने से नाराज थे।

कन्हैया ने थामा 'हाथ'

इससे पहले भाकपा नेता कन्हैया कुमार व गुजरात के विधायक जिग्नेश मेवानी शहीदे आजम भगत सिंह को श्रद्धांजलि देने पहुंचे। उसी वक्त कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी दिल्ली के आईटीओ स्थित शहीदे आजम भगत सिंह पार्क पहुंचे। यहां उनकी राहुल गांधी से मुलाकात हुई। उन्होंने राहुल गांधी को पगड़ी बांधी। कन्हैया कुमार ने कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकारों से चर्चा में कहा, इस देश के लाखों-करोड़ों नौजवानों को ये लगने लगा है कि अगर कांग्रेस नहीं बची तो देश नहीं बचेगा। हम कांग्रेस पार्टी में इसलिए शामिल हुए हैं क्योंकि कांग्रेस गांधी की विरासत को लेकर आगे चलेगी।

मराठवाड़ा में भारी बारिश

लातुर में स्थानीय प्रशासन व एनडीआरएफ की टीमें राहत व बचाव कार्यों में जुटी हुई हैं। सारसा गांव में 47 फंसे लोगों को निकालने का काम जारी है। मंजारा बांध से छोड़े गए पानी से सारसा गांव में बाढ़ आ गई है। लातूर के कलेक्टर पृथ्वीराज बीपी ने बताया कि मंजारा बांध से छोड़े गए पानी के कारण जिले के 158 गांवों में बाढ़ का खतरा पैदा हो सकता है। उन्होंने कहा कि हम हालात पर नजर रखे हुए हैं। मंजारा नदी के किनारे बसे गांवों व तेरना व मंजारा नदियां जहां मिलती हैं, वहां के हालात पर खासतौर से नजर रखी जा रही है। उधर, बीड़ जिले में कई परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। सोमवार रात हुई भारी वर्षा के कारण बीड़ के मंजारा व माजलगांव बांध पूर्ण क्षमता तक भर गए हैं। इस कारण स्थानीय प्रशासन ने मंगलवार सुबह मंजारा बांध के सभी 18 गेट खोल दिए हैं। इनसे 78,397 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। इस कारण बीड़ जिले के काइज व अंबाजोगई तालुका के गांवों में बाढ़ आ गई है। यवतमाल में नांदेड से नागपुर की ओर जा रही रोडवेज बस नाले में बह गई। घटना दहागांव के पास हुई। हादसे में ड्राइवर और कंडक्टर सहित तीन लोग लापता हैं। जबकि एक शख्स की मौत हो गई है। दो यात्रियों को बचा लिया गया। ये दोनों नागपुर के रहने वाले थे। टिकट मशीन के जीपीएस ट्रैकिंग के अनुसार बस में छह यात्री सवार थे।

मनी लॉन्ड्रिंग केस

महा विकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार में परब के पास संसदीय मामलों का विभाग भी है। परब को मंगलवार को दक्षिण मुंबई के बलार्ड एस्टेट इलाके में ईडी के कार्यालय में पेश होने के लिए कहा गया था। जांच एजेंसी के कार्यालय के लिए रवाना होने से पहले परब ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि वह मामले की जांच में ईडी का पूरा सहयोग करेंगे। मंत्री अनिल परब ने कहा, मैं आज ईडी अधिकारियों के सामने पेश हो रहा हूं, मैं अब भी इस बात से अनजान हूं कि उन्होंने मुझे किस उद्देश्य से बुलाया है। मैं अपनी बेटियों और दिवंगत शिवसेना सुप्रीमो (बालासाहेब ठाकरे) की कसम खाकर कहता हूं कि मैंने कुछ भी गलत नहीं किया है, इसलिए मैं ईडी कार्यालय जा रहा हूं। परब ने कहा, मैं जांच में सहयोग करूंगा और ईडी अधिकारियों के सवालों का जवाब दूंगा।

Zodiak Fest 2021 जय हिंद कॉलेज के रोटराक्ट क्लब द्वारा आयोजित

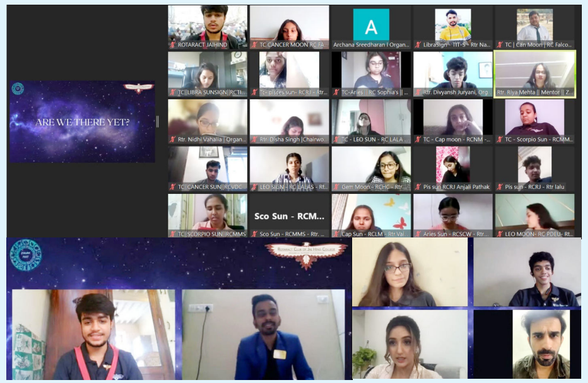

मुंबई। Zodiak Fest 2021 जय हिंद कॉलेज के रोटराक्ट क्लब द्वारा आयोजित, पिछले 13 वर्षों से हो रहा एक प्रमुख इंटर-रोटारैक्ट कल्चरल फेस्ट है! रोटराक्ट क्लब ऑफ जय हिन्द कॉलेज ने इस साल इसे राष्ट्रीय स्तर के उत्सव में ले जाकर, ऑनलाइन मोड में 2 दिनों का आयोजन करके इसे संभव बनाया। पूरे भारत से अनेक रोटराक्ट क्लब आए और दोनों दिन अपनी उत्साहपूर्ण भागीदारी दिखाई। इसकी शुरूआत एक विद्युतीकरण ऑक्शन के साथ हुई, जिसमें क्लब्स को अपनी जोडियाक साइंस, ड्रेस कोड और उप-विषयों के लिए बोली लगानी पड़ी। जोडियाक फेस्ट 21 की थीम 'द सागा ऑफ वाइब्रेंट एक्सप्रेशंस' थी, जो अनेक भावनाओं का मेल थी और उप विषयों में सभी प्रकार की भावनाओं का पैकेज शामिल था। क्लबों को अपनी भावनाओं के लिए बोली लगानी थी। 25 सितंबर को पहले दिन की शुरूआत ग्रैंड ओपनिंग सेरेमनी से हुई।

पहला कार्यक्रम - GPS THIS

एक ट्रेजर हंट था जिसमें उन्हें 45 मिनट की निर्धारित समय सीमा के भीतर 30 चीजों की सूची प्राप्त करनी थी।

दूसरी घटना- तू थी? मेई था? कौन था?

एक क्राइम सीन इन्वेस्टिगेशन जिसमें उन्हें स्टोरी लाइन का अध्ययन करना था और हत्यारे का अनुमान लगाना था, विश्वास करने के कारण और सबूत भी इकट्ठा करना पड़ा।

घटना 3- आर वी देर येट?

एक मजेदार कार्यों के साथ वर्चुअल रिले तैयार किया गया, जिसमे एक के बाद एक प्रतिभागियों को विभिन्न कार्यों को पूरा करना था और इसी प्रकार अंक जमा करने थे।

घटना 4- द थिंक टैंक

इसमें उन्हें अपने आस पास मौजुद चीजो की तस्वीरें क्लिक करने के लिए कहा गया और फिर दूसरी टीम के साथ तस्वीरों की अदला-बदली की गई और उन 3 तस्वीरों पर स्टोरी लाइन बनाई, जो उनके कल्ब को मिली थी। २६ सितंबर, दिन २ - यह नृत्य प्रतियोगिता, फैशन शो और मिस्टर एंड मिस जोडियाक जैसे आयोजनों अद्भुत और सनसनीखेज प्रदर्शनों से भरे रहे। डांस और फैशन शो का प्रदर्शन उस भावना के इर्द-गिर्द घूमना चाहिए था जिसके लिए उन्होंने बोली लगाई थी और मिस्टर एंड मिस जोड़ीएक पूरी तरह से टैलेंट राउंड और प्रश्न उत्तर का दौर था। अशनूर कौर, अंकित सिवाच, कुलदीप सिंघानिया, सिमरन आहूजा, महर्षि पांड्या और सानिका प्रभु जैसे बहुत प्रसिद्ध न्यायाधीशों द्वारा कार्यक्रमों की देखरेख की गई, यह दिन जोड़ीएक 21 के विजेताओं की घोषणा करके एक अद्भुत समापन समारोह के साथ समाप्त हुआ।

अब बांद्रा स्टेशन होगा हाई-फाई, रेलवे की जमीन पर पांच सितारा होटल या दफ्तर का बनाने का है प्लान

संवाददाता

मुंबई। अंधेरी और दादर के बाद अब बांद्रा स्टेशन के कायापलट की तैयारी है। रेलवे की योजना बांद्रा स्टेशन इमारत के साथ रेलवे की जमीन को भी विकसित करने की है। बांद्रा स्टेशन के पूर्व क्षेत्र को पश्चिमी क्षेत्र से कनेक्ट करते हुए यहां फाइव स्टार होटल, दफ्तर या रेजिडेंसियल इमारत बनाई जा सकती है। हाल ही में रेलवे राज्यमंत्री राव साहब दानवे के साथ हुई बैठक में भी इस तरह के प्लान के बारे में चर्चा हुई थी। पिछले कुछ सालों से रेलवे गैर यात्री किराए से राजस्व बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। योजना है कि इस तरह से करीब 40000 करोड़ रुपये जुटाए जाएं। इंडियन रेलवे स्टेशन डिवेलपमेंट

कॉर्पोरेशन द्वारा बांद्रा में जहां स्टाफ के घर मौजूद हैं और लंबी दूरी की ट्रेन को पार्क करने के लिए ट्रैक बिछे हैं, वहां भूमि को विकसित करने की योजना बनाई जा रही है। बांद्रा एक प्राइम लोकेशन होने के साथ ही लंबी दूरी की ट्रेनों का हब भी है। रेलवे की खार, बांद्रा लोकल और बांद्रा टर्मिनस के बीच पूर्व में स्थित जमीन पर नया प्रोजेक्ट बनाने की योजना है। सूत्रों के अनुसार, यहां पर कमर्शल दफ्तरों के लिए मल्टी स्टोरी बिल्डिंग और पांच सितारा होटल या हो सकता है रेजिडेंशियल बिल्डिंग तैयार की जाएगी। हालांकि रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि सभी प्रकार की संभावनाओं पर बात चल रही है। अभी अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।

साकीनाका दुष्कर्म व हत्याकांड का आरोप पत्र 18 दिन में दायर

350 पेजों में घटना का काला चिट्ठा

संवाददाता

मुंबई। मुंबई के साकीनाका इलाके में एक वाहन में महिला के साथ दुष्कर्म व जघन्य हत्या के मामले में पुलिस ने मंगलवार को आरोप पत्र दायर कर दिया। 350 पेज की चार्जशीट में दरिंदगी की दास्ता व आरोपी की हैवानियत का पूरा कच्चा चिट्ठा है, जो उसे सजा दिलाने का आधार बनेगा। 10 सितंबर 2021 को साकीनाका में हुए दुष्कर्म व जघन्य हत्याकांड को दिल्ली में 2012 में हुए निर्भया केस की पुनरावृत्ति मानते हुए निर्भया कांड-2 की संज्ञा दी गई है। साकीनाका में 30 साल की महिला के साथ दरिंदगी की घटना के बाद आरोपी को पकड़ लिया गया है। वह अभी न्यायिक हिरासत में जेल में है। महिला की मुंबई के एक अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मुंबई के साकी नाका इलाके में हुए दुष्कर्म के बाद पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले थे। इसमें आरोपी के खिलाफ कई सबूत दिखे। सीसीटीवी फुटेज के मुताबिक, घटना नौ-दस सितंबर की दरमियानी रात 2.30 से 3 बजे के बीच की थी। एक फुटेज में आरोपी पीड़िता के साथ दरिंदगी कर रहा है और महिला को पीट रहा था। उसने लोहे की रॉड से महिला पर हमला किया। दूसरे फुटेज में दुष्कर्म के बाद आरोपी महिला के प्राइवेट

पार्ट में कई बार लोहे की रॉड डालकर दरिंदगी पर उतारू दिखा था। इतना ही नहीं वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी बड़ी चालाकी से महिला को ऑटो में डालकर वहां से फरार हो जाता है।

सीएम ठाकरे ने कहा था- फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलेगा केस

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने दुष्कर्म की घटना पर दुख जताते हुए आरोपी के खिलाफ फास्ट ट्रैक कोर्ट में केस चलाने का निर्देश दिया था। ठाकरे ने पुलिस कमिश्नर से जांच में तेजी लाने के निर्देश दिए थे। मंत्री और एनसीपी नेता नवाब मलिक ने भी कहा था कि इस केस की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में होनी चाहिए।

आजादी का अमृत महोत्सव फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0 नेहरू युवा केंद्र मुंबई

मुंबई। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के जयंती के उपलक्ष्य में नेहरू युवा केंद्र मुंबई के द्वारा किया गया। कार्यक्रम फिट इंडिया फ्रीडम रन जो मुंबई विद्या नगरी कलिना जेपी नायक भवन में, कैंपस में कराया गया। कार्यक्रम में उपस्थिति सभी गणमान्य जनों की, जिसमें नेहरू युवा केंद्र महाराष्ट्र और गोवा के डायरेक्टर श्री माननीय प्रकाश मनोरे साहब, राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम कुमार, डॉ मुकेश शर्मा राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रधानमंत्री आत्मनिर्भर भारत अभियान, सोशल वर्क की दुनिया में अपना नाम कमाने वाले श्री माननीय राम पाल कुमार केरकर संस्था के अध्यक्ष, कई सालों से नेहरू युवा केंद्र से जुड़े हैं साथ ही श्रीमती रितु तावड़े मैडम जी की उपस्थिति हुई, कार्यक्रम में इन सभी के बीच योगा गुरु राधेश्याम जो पिछले चार-पांच सालों से नेहरू युवा केंद्र के साथ जुड़े हैं सोशल वर्क की दुनिया में अपना नाम कमा चुके हैं, इन सभी अवंत गुणों का स्वागत नेहरू युवा केंद्र मुंबई की डिस्टिक ऑफिसर श्रीमती डॉक्टर कविता श्रीवास्तव ने सभी अवंती गुणों का स्वागत किया। और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कार्यक्रम में फिट इंडिया रन जो फ्रीडम के साथ भागने के लिए आए होनहार बच्चों ने कार्यक्रम को सजाया और और एक रियल आजादी का अमृत महोत्सव कैसे होता है यह करके दिखावा, fit india covid 2019 रूल्स एंड रेगुलेशन के साथ कार्यक्रम को दर्शाया गया। सभी बच्चों को एक लाइन से योग गुरु राधे श्याम ने फिट इंडिया फ्रीडम रन करके दिखलाया, और नेहरू युवा केंद्र के सभी बच्चों ने बहुत अच्छा सा डिसिप्लिन करके सभी बच्चों को मैराथन करने मैं मदद किया द हुमन योगा फाउंडेशन के डायरेक्टर श्री योग गुरु राधेश्याम ने अपने सभी योगा टीचरों के साथ मिलकर कार्यक्रम को सफल बनाया, योगा टीचर अमित जयसवाल योगा टीचर सुनील भारती, योगा टीचर संजय सिंह, योगा टीचर शोयेब शेट्टी, सचिन योगा टीचर, अर्चना जी योगा टीचर, मनीषा गौतम पूरी योगा टीचर योग गुरु राधेश्याम की टीम ने श्री श्रीमती डॉक्टर कविता श्रीवास्तव जी को मदद किया, कार्यक्रम में अपने भाषण से सभी के दिलों में राज करने वाले, श्री प्रेम कुमार जी राष्ट्रीय प्रवक्ता ने मनमोहक भाषण देकर सभी का मन जीत लिया। इसी प्रकार कार्यक्रम में रितु मैडम और रामपाल सर ने सभी बच्चों अपना आशीर्वाद देकर आदर और सम्मान दिया इस पूरे कार्यक्रम के मुख्य केंद्र श्री प्रकाश मनोरे साहब अपनी पूरी तरह से उपस्थिति दीया और सभी बच्चों को प्यार दिया और नेक्स्ट फिट इंडिया फ्रीडम रनों में और भी जोरो से जोश के साथ कार्यक्रम करने की प्रेरणा जगाई बच्चों के अंदर और साथ ही कहा एक्सरसाइज का ढोस आधा घंटा रोज यह नारा लगाकर अपनी वाणी को विराम गुरु जी ने दिए, कार्यक्रम सफल हुआ जय हिंद जय भारत।

त्योहारी सीजन और कोरोना: केंद्रीय गृह सचिव का सभी राज्यों को पत्र, स्वास्थ्य मंत्रालय की सलाह पर अमल करने का अनुरोध

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने मंगलवार को आगामी त्योहारी सीजन के दौरान कोरोना वायरस महामारी से बचने के लिए उपयुक्त व्यवहार को लेकर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों/प्रशासकों को एक पत्र लिखा। इस पत्र में भल्ला ने लिखा है कि मैं अनुरोध करता हूं कि सभी जिलों और अन्य संबंधित स्थानीय अधिकारियों को निर्देश जारी किए जाएं कि त्योहारी सीजन के दौरान कोरोना वायरस महामारी से सुरक्षा के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी किए गए जरूरी कदम उठाएं। इसके साथ ही केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कोरोना वायरस महामारी जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को 50-50 हजार रुपये की अनुग्रह राशि देने का आदेश भी जारी कर दिया। मंत्रालय की ओर से इस संबंध में सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को मुख्य सचिवों को पत्र लिखा गया है। पत्र में कहा गया है कि पात्र लोगों को राज्य आपदा प्रतिक्रिया फंड से अनुग्रह राशि दी जाए। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में कहा था कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने कोरोना महामारी से जान गंवाने वालों के परिजनों को 50-50 हजार रुपये की अनुग्रह राशि देने का सुझाव दिया है। इस राशि का भुगतान राज्यों की ओर से किया जाएगा। पत्र में कहा गया है कि देश में कोरोना संक्रमण का पहला मामला सामने आने के दिन से अनुग्रह राशि देने का फैसला लागू होगा और आपदा के रूप में कोरोना की सूचना रद्द होने या अगले आदेश तक जारी रहेगा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

राजस्थान हलचल

दुष्कर्मी दरिंदे की एक ही सजा फांसी मुस्लिम महासभा राजसमन्द में हुई दुष्कर्म की घटना को लेकर देवगढ़ मुस्लिम महासभा ने सौपा ज्ञापन

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

देवगढ़,राजसमंद। मुस्लिम महासभा टीम देवगढ़ ने राजसमंद के समीप एक गांव में 10 वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म करने वाले दरिंदे को अतिशीघ्र गिरफ्तार कर मामले को फास्ट ट्रैक में लेकर आरोपी को फांसी की सजा दिलाने की मांग को लेकर राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम देवगढ़ उपखंड अधिकारी सीपी वर्मा को ज्ञापन सौपा। मुस्लिम महासभा जिला मीडिया प्रभारी सरफराज अहमद ने बताया कि जिला प्रभारी हैदर हुसैन एवं देवगढ ब्लॉक अध्यक्ष आशिक शाह के नेतृत्व में सौपे गए ज्ञापन में बताया कि 27 सितम्बर 2021 को राजसमंद के एक गांव की 10 वर्षीय बच्ची के साथ इंसानियत के दुश्मन एक दरिंदे ने बलात्कार कर मासूम बच्ची को अपनी हवस का शिकार बना दिया और वहां से फरार हो गया ओर इंसानियत को शर्मसार कर दिया। मुस्लिम महासभा ऐसे कृत्य की कड़े शब्दों में निंदा करती है ओर ऐसे दरिंदे बलात्कारी को जल्द से जल्द गिरफ्तार करवा कर उसका केस फास्टट्रैक में चलाए जाने और आरोपी को फांसी की सजा दिलाए जाने की मांग करती है। साथ ही बच्ची एवं उसके परिजन को सरकार की तरफ से उचित मुआवजा दिलाकर उसकी पूरी सुरक्षा की जाए। ज्ञापन देने के दौरान जिला उपाध्यक्ष गुलजार अहमद, हकीम खान, टीपू सुल्तान, रफीक शैख, आसिफ शाह, गुलजार शाह, शमशुद्दीन शैख, बंटी खान, मेहताब उस्ता, तौफीक रंगरेज आदि मौजूद थे। इंसानियत को शर्मसार कर देने वाली घटना को लेकर देवगढ आम मुस्लिम समाज के सदर मोहम्मद ताहिर शैख ने सरकार, पुलिस एवं प्रशासन से दुष्कर्मी को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग करते हुए घटना की कड़े शब्दों में निंदा की ओर ऐसे हैवान को जल्द सलाखों के पीछे डालकर फांसी की सजा दी जाने की मांग की।

35 वा धनबाद एथलेटिक्स चैंपियनशिप धनबाद एथलेटिक्स क्लब 42 गोल्ड के साथ ओवरऑल चैंपियन बना

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

धनबाद। तीन दिवसीय दिनांक 24, 25, 26 सितंबर 2021 आईआईटी आईएसएम धनबाद में कार्यक्रम संपन्न हुआ लड़का वर्ग में धीरज पहाड़ी, कुमार प्रिंस, अमन पासवान, सुजल कुमार, आलोक कुमार,अनिकेत कुमार, दुर्गा तिवारी,रूपलाल राय। लड़की वर्ग में युक्ति कुमारी, तानिया, जागृति,अंजली कुमारी, स्वाति पांडे, निशा कुमारी, पायल कुमारी, संगीता कुमारी, शीतल कुमारी इत्यादि ने ने स्वर्ण पदक प्राप्त किए।यह टीम पहली बार धनबाद डिस्ट्रिक्ट एथलेटिक्स गेम में भाग लिया है और इस टीम के अध्यक्ष विवेक सिंह सचिव विष्णु दास उप सचिव आलोक कुमार इन तीनों के सहयोग से और खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत से चैंपियन होने का अवसर प्राप्त हुआ। इस समारोह के चीफ गेस्ट पीवी केयर मलिक अर्जुन राव और यह बीसीसीएल के पर्सनल डायरेक्टर हैं। अति विशिष्ट अतिथि श्रीमती आहुति स्वाइन और यह पर्सनल वेलफेयर के जनरल मैनेजर है विशिष्ट अतिथि श्री आर के मिश्रा चीफ मैनेजर पर्सनल वेलफेयर बीसीसीएल, श्री तेजविंदर सिंह ए पीएम भूली नगर बीसीसीएल, राजेंद्र प्रसाद सिन्हा, श्रीमती किरण रानी नायक ,बंधन टोप्पो, जुबेर आलम, तारक नाथ दास, सुंदरजीत कुमार बरनवाल, विवेक सिंह, नरेश पासवान, राजेश कुमार, लक्ष्मण रजक, राजकुमार उरांव, पंकज कुमार, टीके पाल, दीक्षा मैडम, अभिषेक कुमार पांडे, सुरेंद्र कुमार, जोली सरकार, जय राम, बलराम, शिव कुमार, रूपलाल, महेश जी, सोना कुमारी, मिथुन, सुजापा ठाकुर, पी एन बनर्जी, आर पी सिंह, महादेव घोष, गौतम कुमार, एके तिवारी, सुनील मिश्रा इत्यादि ने कार्यक्रम को संपन्न बनाया।

पत्रकारों के साथ में अभद्रता करने वाले पुलिस अफसरों पर तत्काल प्रभाव से कार्यवाही की जाए-राशिद अली ईरा प्रदेश अध्यक्ष

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

बहराइच। इंडियन रिपोर्ट्स एसोसिएशन ने प्रदेश में पत्रकारों के साथ मे प्रसासनिक अधिकारियों द्वारा की जा रही अभद्रता पर नाराजगी जाहिर की है और ऐसे अफसरों पर कार्यवाही करने की मांग प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से की है आज जिला मुख्यालय पर संगठन के सदस्य मोहम्मद तौफीक के आवास पर ईरा प्रदेश अध्यक्ष राशिद अली पहुँचे आयोजित संवाददाता सम्मेलन में प्रदेश अध्यक्ष राशिद अली ने कहा कि ब्रिटिश शासन से अधिक वर्तमान सरकार में पत्रकारों का उत्पीड़न किया जा रहा है वर्तमान समय मे राष्ट्र का चौथा स्तंभ सुरक्षित नहीं है पत्रकारों के साथ में प्रसासनिक अफसर अभद्रता करते हैं दबंग ,माफिया किस्म के लोग पत्रकारों पर हमला करते हैं यहां की उनकी हत्या तक कर दी जाती है और नौकरशाही मूक दर्शक बनी रहती है श्री अली ने कहा कि जनपद थाना प्रभारी रुपईडीहा, थाना प्रभारी नवाबगंज द्वारा पत्रकारों को अपमानित करने की जानकारी प्राप्त होइ है उन्होंने ऐसा थाना प्रभारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि पत्रकार कलम चला सकता है तो अपने सम्मान के लिए सड़क पर भी उतर सकता है प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि चाटुकारों को तो प्रसासनिक अधिकारी सम्मान देते हैं और जो सच्चे और ईमानदार पत्रकार होते हैं उन्हें अपमानित करने का कार्य किया जा रहा है इसको ईरा कतई बर्दाश्त नहीं करेगी श्री अली ने कहा कि थाना प्रभारी नवाबगंज, थाना प्रभारी रुपईडीहा द्वारा आएदिन पत्रकारों का उत्पीड़न किया जा रहा है उन्होंने जनपद की पुलिस अधीक्षक से उक्त दोनों थाना प्रभारियों कार्यवाही करने की मांग की है जिससे कि राष्ट्र के चौथे स्तंभ का उत्पीड़न करने वाले अफसरों को सबक मिल सके और पत्रकारों का उत्पीड़न रुक सके।

समस्तीपुर रेल मंडल में अंतर्विभागीय राजभाषा प्रदर्षनी, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

समस्तीपुर (जकी अहमद)। समस्तीपुर रेल मंडल में अंतर्विभागीय राजभाषा प्रदर्षनी,सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन। राजभाषा सप्ताह-2021 के अंतिम दिन मंडल रेल प्रबंधक श्री आलोक अग्रवाल की अध्यक्षता में अंतर्विभागीय राजभाषा प्रदर्षनी,सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं पुरस्कार वितरण समारोह के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मंडल रेल प्रबंधक द्वारा दीप प्रज्जवलन के उपरांत राजभाषा प्रर्दषनी, पुरस्कार वितरण तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम को प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक द्वारा राजभाषा सप्ताह के अवसर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं,हिंदी के प्रयोग-प्रसार में उल्लेखनीय योगदान देने वाले कर्मचारियों एवं राजभाषा प्रर्दषनी में विजयी सर्वश्रेष्ठ छः विभागों क्रमषः कार्मिक,वाणिज्य,संरक्षा,परिचालन, इंजीनियरी एवं चिकित्सा को पुरस्कार स्वरुप प्रमाण पत्र व नकद राषि प्रदान किया गया। जून-2021 की अवधि में मंडल में सर्वाधिक हिंदी प्रयोग के लिए कार्मिक विभाग को अंतर्विभागीय राजभाषा कार्यकुषलता शील्ड प्रदान किया गया जिसे वरि.मंडलकार्मिक अधिकारी श्री ओम प्रकाष सिंह के नेतृत्व में कार्मिक विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा प्राप्त किया गया। इस अवसर पर मंडल कला समिति के सदस्यों द्वारा आकर्षक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति भी दी गई। इस मौके पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंडल रेल प्रबंधक श्री आलोक अग्रवाल ने राजभाषा विभाग को कार्यक्रम के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए तथा पुरस्कार प्राप्त करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुरस्कृत होने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि किसी भी देष की सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक प्रगति में उस देष की भाषा का अहम योगदान होता है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि हमें हमेषा अपनी भाषा हिंदी में कार्य करने को प्राथमिकता देना है तभी हमारे देष की अपनी भाषा उत्थान संभव हो सकेगा।

सम्भल हलचल

हाजी राशिद खान ने जिला अध्यक्ष की मौजूदगी में सपाइयों को बाँटे पद

संवाददाता/अरमान उलहक

सम्भल। उत्तर प्रदेश में दो हजार बाइस में होने वाले विधानसभा चुनाव में कामयाबी हासिल करने के लिए राजनीतिक दल संगठन को मजबूत बनाने में लगे हुए हैं चन्दौसी में मोहल्ला लक्षमण गंज में समाजवादी पार्टी लोहिया वाहिनी के नगर अध्यक्ष हाजी राशिद खान के आवास पर सपा की बैठक आयोजित हुई बैठक में लोहिया वाहिनी के जिलाध्यक्ष सैय्यद मौहम्मद आदिल का सपा कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया जिला अध्यक्ष ने समाज वादी पार्टी को सर्व समाज की हितैषी बताया बैठक के बाद नगर अध्यक्ष चन्दौसी हाजी राशिद खान ने जिला अध्यक्ष की मौजूदगी में जितेंद्र यादव को चन्दौसी नगर कमेटी में सपा लोहिया वाहिनी का नगर महासचिव आशीष यादव व सलमान कादिर को नगर उपाध्यक्ष चन्दौसी बनाया है पदों का वितरण करने के बाद आपसी मनमुटाव को दूरकर हाजी राशिद ने उपस्थित सभी पदाधिकारियों ओर कार्यकर्ताओं से मिशन दो हजार बाइस को कामयाब बनाने का आह्वान किया जिससे उत्तर प्रदेश में सपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बन सके। इस दौरान सतीश प्रेमी संजय मदान,जुनैद कुरैशी, नदीम कुरैशी, आमिर कुरैशी, आशू खान,अनमोल, अजीम चौधरी, मोहसिन खान, विक्की,आलीम, साहवेज,सुमाइल, नदीम खान, कपिल देव तेजपाल हर्ष यादव सलमान रजा खान तेजपाल सैनी फिरासत खान जीतू यादव अनमोल नागर इमरान मोबिन अन्सारी अख्तर अली राजीव रस्तोगी आदि सपाई मौजूद रहे।

अनुज मलिक के नेतवर्त में परिवहन विभाग ने चलाया चैकिंग अभियान

संवाददाता/अरमान उलहक

सम्भल। यातायात पुलिस ने सड़क सुरक्षा सप्ताह के पाँचवे दिन परिवहन विभाग ने सयुंक्त रूप से चेकिंग अभियान चलाया सड़क सप्ताह के अंतर्गत चैकिंग अभियान सँम्भल,चन्दौसी, नरौली,ग्राम मोहम्मद पुर टांडा बहजोई में चलाया गया सड़क सुरक्षा सप्ताह के पाँचवे दिन परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस तथा प्रदूषण विभाग के अधिकारियों द्वारा संयुक्त चेकिंग अभियान चलाया गया, अभियान के अंतर्गत दस बुलेट मोटरसाइकिल जिसमें मॉडिफाई साइलेंसर (वॉइस पोलूशन) के चालान एम वी एक्ट के अंतर्गत किये गए तथा चौवालीस वाहनों के चालान बिना हेलमेट दो पहिया पर तीन सवारी, चार पहिया बिना वाहन पर विना सीट बेल्ट, मोबाइल फोन का प्रयोग कर वाहन चलाना, स्पीड ड्राइविंग ,के चालान एमवी एक्ट में किए गए , उक्त अभियान के अंतर्गत वाहन चालकों को यातायात नियम पालन करने के प्रति प्रेरित किया गया तथा चंदौसी संभल में ऐसे दुकानदार जो मोटरसाइकिल इत्यादि के पार्ट्स एवं मोडिफाइड साइलेंसर विक्रय करते हैं उन सभी को हिदायत दी गई किसी भी मोटरसाइकिल में मोडिफाइड साइलेंसर ना बेचे, तथा जनमानस को यातायात नियम पालन करने के प्रति जागरूक किया गया अन्यथा कानून का दुरुपयोग करने पर चालान काटकर जुर्माने की धनराशि बसूली जायेगी।

पूर्व एडीओ पंचायत वसीम अहमद का सड़कों के नाम पर बड़ा घोटाला

संभल। उत्तर प्रदेश के जनपद संभल में योगी सरकार की लाख कोशिश के बाद भी कमीशन खोरी नहीं रुकने पा रही है यहां कमीशन खोरी का खेल बड़े स्तर पर चल रहा है आपको बता दें कि अगर आप करोड़ों रुपए का घोटाला भी कर दें तब भी आपको क्लीन चिट मिल सकती है ऐसा ही पंवासा विकासखंड की 8 ग्राम पंचायतों का सचिव रहे पूर्व एडिओ पंचायत वसीम मलिक ने मैं केवल शौचालय के नाम पर भ्रष्टाचार किया बल्कि कुछ शौचालयों को तो बिना बनवाए ही रकम निकाल ली गई और लाभार्थी को एक रुपए भी नहीं दिया गया पूर्व एडिओ पंचायत रहे वसीम अहमद ने काफी बड़ा घोटाला किया है पूर्व एडीओ पंचायत वसीम मलिक डीपीआरओ जाहिद हुसैन को अपना रिश्तेदार बताते हैं और कहते हैं कि जब तक डीपीआरओ जाहिद हुसैन यहां मौजूद हैं तब तक कोई मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकता हो भी सकता है क्योंकि डीपीआरओ जाहिद हुसैन भी काफी लंबे समय से जनपद संभल में तैनात हैं जब सारे मामले को उजागर करने के लिए दैनिक प्रातः किरण अखबार की टीम ने पंवासा विकासखंड के ग्राम पंचायत आढ़ौल का जीरो ग्राउंड की रिपोर्ट लेने के लिए रुख किया तो वहां बने लाभार्थियों के शौचालयों में दो गड्ढों के स्थान पर एक दो फिट का गड्ढा पाया गया जबकि नियम के मुताबिक पांच-पांच फूट के गड्ढे बनाए जाने चाहिए कुछ शौचालय पर तो बिना गड्ढे के ही स्लीपर रख दिए गए हैं जबकि कुछ सड़कों का बिना निर्माण कराए ही पैसा निकाल लिया गया है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सरसों तेल का देगा ब्यूटी से जुड़े 6 और सेहत के 5 फायदे

भारतीय रसोई में सरसों के तेल का इस्तेमाल खाना बनाने के लिए किया जाता है। मगर क्या आप जानते हैं कि एंटीऑक्सीडेंट के गुणों से भरपूर सरसों का तेल हेल्थ और ब्यूटी दोनों के लिए फायदेमंद है। जोड़ों का दर्द हो या डल स्किन, यह एक औषधि की तरह हर समस्या का समाधान करता है। चलिए आज हम आपको सरसों के तेल के कुछ ऐसे फायदे बताते हैं, जिसे जानने के बाद आप भी इस्तेमाल शुरू कर देंगे।

सरसों के तेल के गुण - 1 टेबलस्पून (14) सरसों के तेल में 124 कैलोरी और 21% फैट होता है। इसके अलावा इसमें एंटीऑक्सीडेंट, सोडियम, काबोर्हाइड्रेट, डाइटरी फाइबर, प्रोटीन, विटामिन ए, सी, कैल्शियम, लोहा, विटामिन बी -6 और मैग्नीशियम जैसे गुण भी होते हैं, जो सेहत और ब्यूटी दोनों के लिए फायदेमंद होता है।

सरसों के तेल की तासीर - सरसों के तेल की तासीर गर्म होती है इसलिए इसका इस्तेमाल मसाज करने के लिए भी किया जा सकता है। गर्मियों में इसका इस्तेमाल कम मात्रा में करना चाहिए क्योंकि इससे शरीर को सरसों के तेल के फायदे

वजन घटाए - वजन कम करने का आसान तरीका है अपने मेटाबॉलिज्म बूस्ट करना। सरसों का तेल मेटाबॉलिज्म की प्रक्रिया को सही बनाए रखने में मदद करता है। साथ ही इससे पाचन क्रिया भी दुरूस्त रहती है, जिससे वजन घटाने में काफी मदद मिलती है।

कैंसर से रखें दूर - रिसर्च द्वारा यह पता चला है की सरसों के तेल का उपयोग करने से कैंसर होने का खतरा कम होता है। सरसों के तेल में ऐसे गुण पाए जाते हैं जो शरीर में कैंसर की गाठ को बनने से रोकता है। यह शरीर को अलग-अलग तरह के कैंसर से दूर रखता है।

दिल को बनाएं मजबूत - सरसों के तेल में पाएं जाने वाले तत्व शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करते हैं और साथ ही में कोलेस्ट्रॉल के संतुलन को बनाएं रखते हैं। यह मोटापे, ब्लडप्रेशर, हाइपरटेंशन की समस्या से छुटकारा दिलाता है।

भूख बढ़ाने में मददगार - अगर आपको भूख नहीं लगती है तो सरसों का तेल आपके लिए काफी फायदेमंद रहेगा। ये तेल पेट में ऐपिटाइजर के रूप में काम करता है, जिससे भूख बढ़ती है।

अस्थमा की रोकथाम - सरसों में पर्याप्त मात्रा में मैग्नीशियम पाया जाता है, जो अस्थमा के मरीजों के लिए फायदेमंद है। सर्दी हो जाने पर भी इसका इस्तेमाल किया जा सकता है।

त्वचा के लिए फायदेमंद - ड्राई स्किन दूर करने के लिए नहाने से पहले अपनी त्वचा की अच्छे से मालिश करें तो त्वचा मुलायम हो जाएगी और सारा दिन रुखी त्वचा की शिकायत नहीं होगी।

नैचुरल सनस्क्रीन - बाजार में बिकने वाले कैमिकल युक्त ब्यूटी प्रॉडक्ट के इस्तेमाल से फायदे की जगह नुकसान भी हो सकता है। मगर सरसों के तेल से बेहतर कोई सनस्क्रीन नहीं है। इसे त्वचा पर लगा कर सूरज की हानिकारक किरणों से बचा जा सकता है।

सांवलापन करे दूर - बेसन में नींबू का रस और सरसों का तेल मिलाकर चेहरे पर 10 से 15 मिनट तक लगाएं। फिर सादे पानी से चेहरा धो लें। इसके नियमित रूप से इस्तेमाल करने पर चेहरे पर चमक आती है और सांवलापन भी दूर होता है।

बालों के लिए वरदान - सरसों के तेल में ऐसे तत्व होते हैं, जो आपके बालों को लंबे समय तक काला बनाए रखते हैं। रूसी, खुजली, बालों का झड़ना जैसी समस्याओं से परेशान हैं तो सरसों का तेल हल्का गुनगुना करके हल्के हाथों से बालों की जड़ों पर मसाज करें। इसके बाद किसी माइल्ड शैंपू से बालों को धो लें। रोजाना ऐसा करने से आपको अच्छा रिजल्ट मिलेगा।

फटे होंठ - रात को सोने से पहले होठों पर दो से तीन बूंदे सरसों के तेल की लगाएं। फिर इसे ऊपर से लिप बाम से कवर कर दें। इससे एक दिन में ही आपके होंठ मुलायम हो जाएंगे।

नैचुरल स्किन ग्लो - यह त्वचा के रूखेपन को खत्म करते हुए स्किन पर ग्लो लाता है। वहीं अगर आप त्वचा का कालापन हटाना चाहती हैं तो सरसों के तेल को दही और नींबू के रस के साथ मिला लें और इससे बॉडी की मसाज करें। फिर साफ पानी से धो लें ।इससे बॉडी पर नेचुरल ग्लो आ जाएगा।

आपकी खिलखिलाती मुस्कुराहट को बरकरार रखेंगे ये 7 फूड्स

भले ही चेहरा कितना ही सुंदर क्यों न हो असली सुंदरता तो आपकी खिलखिलाती मुस्कुराहट पर टिकी होती है। मगर सही देखभाल के अभाव और प्लाक जमने के कारण दांत पीले व बदरंग नजर आने लगते है जिस वजह से अधिकतर लोग अपनी प्यारी सी मुस्कुराहट को भी छिपाने की कोशिश करते है। क्या आप भी दांतों के पीलेपन की वजह से अपनी मुस्कान को रोक कर रखती हैं अगर हां तो परेशान न हो क्योंकि आज हम आपको कुछ बेस्ट फूड्स बताएंगे जिन्हें खाने से आपके दांत हमेशा मोतियों की तरह चमकते नजर आएंगे।

गाजर कच्ची और कुरकुरी गाजर को खाने से न सिर्फ चेहरे पर ग्लो आता है बल्कि अधिक से अधिक बार चबाकर खाने से दांत मजबूत व उनका पीलापन भी दूर रहता है। दरअसल, चबाने से लार के उत्पादन उत्तेजित होते है जो मुंह में एसिड और एंजाइमों के असर को बेअसर करता है।

स्ट्रॉबेरी दांतों को चमकदार बनाने का सबसे टेस्टी और मजेदार उपाय है स्ट्रॉबेरी। इसमें मौजूद एस्कॉर्बिक एसिड ब्राइटनिंग प्रभाव से दांतों के धब्बों को दूर कर उन्हें सफेद और चमकदार बनाता है। इसके अलावा इसमें पॉलीफिनॉल मौजूद होता है जिसके सेवन से दांत बैक्टीरिया के प्रभाव से बचे रहते हैं।

सेब रोजाना ऐसे फल और सब्जियां खाए जिनमें फाइबर की मात्रा भरपूर हो क्योंकि इस तत्व में स्क्रबिंग प्रभाव अधिक देखने को मिलते है। अगर बात फाइबर रिच फल की करें तो सेब सबसे अच्छा स्त्रोत है जिसका रोजाना सेवन करने से मसूढ़े स्वस्थ और दांत मजबूत होते हैं। इसके अलावा इससे दांत साफ व उनमें सडन पैदा करने वाले बैक्टीरिया दूर रहते हैं।

नारियल तेल नारियल तेल मुंह में माउथवॉश की तरह इस्तेमाल किया जा सकता हैं। नारियल तेल ओरल बैक्टीरिया से लड़ने के लिए काफी फायदेमंद है। इसमें मौजूद एंजाइम मुंह से जर्म्स को बाहर निकाल फैंकते है और दांतों व मसूढ़ों को स्वस्थ रखते हैं।

करौंदा करौंदा में पोलीफेनोल्स मौजूद होता है जो प्लाक को दांतों मे जमने से रोकता है और दांतों की कैविटी से रक्षा करता है। इस्तेमाल करने से पहले आपको बता दें कि यह फल काफी तीखा होता है जिसे आप मीठी मिलाकर भी खा सकते हैं।

अजवाइन अजवाइन न सिर्फ आपकी सेहत बल्कि दांतों के लिए भी फायदेमंद साबित होती हैं। अजवाइन चबाने से मुंह में मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया मर जाते हैं। अगर आप अपने दांतों को स्वस्थ व साफ रखना चाहते है तो रोज अजवाइन के पानी से कुल्ला करें। इससे काफी फायदा मिलेगा।

कच्चे फल और सब्जियां कच्ची सब्जियां और फल खाने से कैविटी दूर और सांस तरोताजा बनी रहती है। इसलिए केले, सेब, संतरे और गाजर आदि को अपनी डेली रूटीन में शामिल करें। इससे न सिर्फ दांत साफ रहेंगे बल्कि उनके जुड़ी हर परेशानी दूर रहेगी।

सफेद दांतों के लिए घरेलू टिप्स

हफ्ते में 1 बार आधा छोटे चम्मच नमक में 2 बूंदे सरसों के तेल की मिलाएं। फिर इससे दांतों को स्क्रब करें।
रोज खाना खाने के बाद नींबू के छिलके से दांतों को रगड़ें। इससे दांतों का पीलापन व उनमें फंसी गंदगी भी दूर होगी।

➤➤➤1 चम्मच नींबू के रस में उनकी ही मात्रा में पानी मिलाएं। फिर इससे कुल्ला करें।
➤➤➤एप्पल साइडर विनेगर पानी को समान मात्रा में मिलाएं और कुल्ला करें।
➤➤➤संतरे के पाउडर से दांतों की हल्के हाथों से मसाज करें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

ग्लोबल सिटीजन कॉन्सर्ट में भाग लेने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय हस्ती बनीं अनन्या पांडे

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने बेहद कम समय में इंडस्ट्री में अपनी एक खास पहचान बनाई है। अनन्या की सोशल मीडिया पर जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। अनन्या पांडे उन फिल्मों में काम करके ऊंचाइयों को छू रही हैं, जिनका वह हिस्सा रही हैं और साथ ही अपनी डीएसआर, पहल, सो पॉजिटिव के साथ खूब वाहवाही बटोर रही हैं। अभिनेत्री ग्लोबल सिटीजन कॉन्सर्ट में भाग लेने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय हस्ती हैं। यह कॉन्सर्ट 24 घंटे का म्यूजिक फेस्टिवल है, जो विश्व के नेताओं, परोपकारी और निगमों को ग्रह की रक्षा करने, गरीबी को हराने और जलवायु परिवर्तन, अकाल और अग्रिम टीका इक्विटी पर कार्रवाई करने का आह्वान करते है। सामाजिक कार्य के लिए, अनन्या पांडे ने जलवायु परिवर्तन के कारण प्रजातियों के विलुप्त होने, अत्यधिक गरीबी के बारे में बात की है। 'हमारे ग्रह की रक्षा करें, गरीबी को हराएं' का संदेश दे रही हैं। सबसे कम उम्र की भारतीय हस्ती होने के नाते, इस संगीत कार्यक्रम में वैश्विक मंच पर कदम रखने वाली अभिनेत्री बनने के साथ उन्होंने अपनी सूची में एक ओर उपलब्धि अपने नाम कर ली है। अनन्या हाल की घोषणाओं और अपनी डीएसआर पहल के साथ अभूतपूर्व काम कर रही हैं।

रणबीर और आलिया शादी का वेन्यू देखने पहुंचे जोधपुर?

बॉलीवुड के क्यूटेस्ट कपल रणबीर कपूर और आलिया भट्ट को फैंस खून पसंद करते है। उन्हें साथ देखकर हर कोई उनका दीवाना हो जाता है। वही जैसे ही दोनों साथ में स्पॉट होते है इनकी शादी की चर्चाएं भी शुरू हो जाती है। वैसे तो पिछले कुछ समय से लगातार ये सब खबरे सामने आ रही हैं। हालांकि दोनों ही एक्टर्स अभी अपने काम में बिजी हैं और उनकी कई फिल्में लाइन में हैं। इन सबके बीच एक बार बार फिर से रणबीर और आलिया की शादी के कयास तेज हो गए, जब दोनों को जोधपुर में पैपराजी ने अपने कैमरे में कैद किया। आलिया और रणबीर को जोधपुर में एयरपोर्ट के बाहर स्पॉट किया गया। इस दौरान आलिया ने जींस के साथ क्रॉप टॉप और ग्रीन-व्हाइट जैकेट कैरी किया था। वहीं रणबीर ब्राउन कलर के आउटफिट में थे। उन्होंने सनग्लासेस लगाए हुए थे और मास्क पहना हुआ था। वही ये फोटोज वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर फैंस ने अंदाजे लगाने शुरू कर दिए। यूजर्स ने पहले से लिखना शुरू कर दिया कि वे शादी के लिए वेन्यू देखने आए हैं। अभी तक इस बारे में दोनों परिवारों की ओर से कोई जानकारी नहीं है।

प्रभास और अक्षय की फिल्म होगी आमने-सामने

कोरोना की दूसरी लहर का प्रकोप झेलने के बाद आखिरकार महाराष्ट्र में भी सिनेमाघर दोबारा खोलने का ऐलान हो चुका है। 22 अक्टूबर से महाराष्ट्र में सिनेमाघर खुलने जा रहे हैं। इस घोषणा के बाद से कई बिग बजट फिल्मों की रिलीज डेट का ऐलान हो रहा है। वहीं बॉक्स ऑफिस पर कई बड़ी फिल्में टकराने भी वाली है। बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार की कई अपकमिंग फिल्मों सूर्यवंशी, रक्षाबंधन और बच्चन पांडे की रिलीज डेट का ऐलान हो चुका है। वहीं अब साउथ स्टार प्रभास की फिल्म 'आदिपुरुष' की रिलीज डेट भी सामने आ गई है। वहीं आदिपुरुष की रिलीज डेट सामने आने के बाद दर्शकों को पर्दे पर अक्षय कुमार और प्रभास के बीच टक्कर देखने को मिलने वाली है। फिल्म आदिपुरुष स्वतंत्रता दिवस वाले सप्ताह में 11 अगस्त, 2022 को रिलीज होगी। अक्षय कुमार की 'रक्षाबंधन' भी 11 अगस्त 2022 को रिलीज होने वाली है। स्वतंत्रता दिवस सप्ताह होने की वजह से फिल्म निर्माता इसका लाभ उठाना चाहते हैं। दोनों फिल्मों का बजट काफी बड़ा है। आदिपुरुष का बजट 400 करोड़ रुपए बताया जा रहा है। वहीं रक्षाबंधन का बजट भी करोड़ों में बताया जा रहा है।